

Sale Bahari Rs 775000/- Dumka town 196 5000Rs.



Fee paid

ACD 7750 = 00
 N(0) 54 = 00
 7804 = 00

Stamp 31050/-

देवव्रत धर
 11/8/2006



SALE - DEED

नाम लेख्यकारी पिता श्री देवव्रत धर पिता श्री नन्द गोपाल धर, जाति- स्वर्ण शणिक,
 का नाम वो निवास पेशा- व्यवसाय, निवास स्थान- जेल रोड दुमका थाना - दुमका
 स्थान आदि ग्राम. सबडिवीजन वो निबन्धन कार्यालय दुमका, जिला -
 (विक्रेता) दुमका, भारतीय नागरिक ।

गिराई
 श्री अखिलेश्वर
 दुमका
 1-8-06

गिराई
 श्री देवव्रत धर
 दुमका
 11/8/06



(2)

नाम लेख्यधारिणी श्रीमती रीता देवी पिता २० राणा प्रताप सिंह, जाति- राजपूत,
पिता का पेशा- गृहिणी, साकिन- चूडा बगान दुमका, धाना-दुमका टाउन,
नाम वो नियास सवडीवीजन वो निबन्धन कार्यालय दुमका, जिला- दुमका,
स्थान आदि भारतीय नागरिक।
(क्रेत्री)

२०२०/११/११/२००६
११/११/२००६

लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र (Sale - Deed)

विक्रीत सम्पत्ति का मूल्य :- मो० 7,75,000/- (सात लाख पचहत्तर हजार रुपये) जिसमें जमीन का मूल्य मो० 2,91,000/- रुपये एवं मकान का मूल्य मो० 4,84,000/- हजार रुपये।

विक्रीत सम्पत्ति का सम्पूर्ण विवरण :- तफसील हक बसौड़ी स्वत्व की जमीन पर बना पोखता एक मकान जिसका कुर्सी क्षेत्र 1210 वर्गफीट है मय चहारदीवारी मय कुल हक वो अधिकार इत्यादि अन्दर मौजा दुमका टाउन नम्बर 7 तालुकघाट दुमका, धाना दुमका टाउन, सवडीवीजन वो जिला दुमका का तीजी नं० 6 बसौड़ी जमाबंदी नम्बर 40/31 उपस्थित जमींदार का खाता नं० 40/50/1 दुमका नगरपालिका वार्ड नं० 1 पुराना वो नया वार्ड नं० 12 जिसका मानचित्र शामिल दस्तावेज में संलग्न है जिसमें विक्रीत सम्पत्ति को लाल रंग से दर्शाया गया है जिसका दाग नम्बर मोहदी निम्न प्रकार है :-

5000Rs.



(3)

| दाग नम्बर | चौहद्दी | किस्म वी.फ.धु. |
|---|---|--|
| 674 (छः सौ चौहत्तर) का अंश। | उत्तर - राज कुमार मंडल का जमीन। दक्षिण - रास्ता। पुर्व - दिलीप कुमार भुवानियों का जमीन। पश्चिम - 10 फीट प्रस्तायित रास्ता। | इसी चौहद्दी के अन्दर बसोड़ी स्वत्व की जमीन पर बना पोखरा एक तल्ला मकान मय कुन ठक वो अधिकार इत्यादि रकवा मवाजी <u>00 - 03 - 06 घूर</u> <u>बराबर 5.5 डिसमील</u> |

सुव्रत धर
11/8/2006.

तीन कच्चा छः घूर मात्र। सालाना खजाना मो० रसिदी।



(4)

विदित हो कि उपरोक्त सम्पत्ति लेख्यकारी विक्रेता की स्वोपार्जित खरीदगी
सम्पत्ति है जिसे लेख्यकारी ने बजरिये बिक्रय पत्र सं० 1103 जिल्द सं०
31 पृष्ठ सं० 165 से 173 पुस्तक सं० 1 सन् 2004 ई० जिसकी
रजस्ट्री दुमका निबंधन कार्यालय में हुई है के द्वारा अपने नाम प्राप्त कर
तथा अंचल कार्यालय दुमका में नामांतरण वाद संख्या 229/2004-05
के द्वारा अपना नाम पंजी ॥ में दर्ज कराकर खजाना अपने नाम से देते
हुए सम्पत्ति का भोग दखल निर्विवाद रूप से करते आ रहे हैं । यह सम्पत्ति
बसौड़ी है तथा लेख्यकारी को बिक्रय करने का सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त है ।

देवप्रत धर
1/8/2006.



(5)

देवप्रत अर
1/5/2006.

वर्तमान में सेख्यकारी को सांसारिक खर्च एवं श्रम परिशोध के लिए

रुपये का सख्त दरकार है वो बिना विक्रय किए उपरोक्त बसोझी सम्पत्ति के

रुपये का मिलना कठिन है, इसलिए सेख्यकारी ने उपरोक्त सम्पत्ति को विक्रय

करने का शोहरत किया, जिसे आप धेवी ने देखा वो अपनी स्त्री धन मो0

7,75,000/- रुपये में क्रय करने की ईच्छा विक्रीदार पर प्रगट किया। यह

कीमत आज कर के बाजार दर का सर्वोच्च मूल्य समझा गया तथा उपयुक्त

महोदय दुमका के द्वारा निर्धारित मूल्यांकन के आधार पर भी



(6)

वाजिब वो सही है, इसलिए लेख्यकारी आज अपनी खुशी राजी, बिना

कोई दबाव वो बहकाव किसी अन्य के अपने स्वस्थ शरीर वो स्वच्छन्द

मस्तिष्क की दशा में होकर वो रहकर तथा उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय

मूल्य मो0 7,75,000/- रुपये नगद एकमुस्त क्रेत्री से लेकर वो प्राप्त कर

खाना नम्बर पाँच की बर्णित सम्पत्ति को क्रेत्री के हाथ बेचा वो बैलाकलामी

किया तथा आज कि तारीख से उपरोक्त सम्पत्ति पर क्रेत्री को ठीक अपने

तुल्य अधिकार करा दिया, यानि दखल दे दिया ।

देवप्रत धर
11/8/2006.



(7)

उपरोक्त सम्पत्ति हर तरह के ऋण-भार से मुक्त है। फिर भी
निकट भविष्य में उपरोक्त सम्पत्ति पर किसी तरह का हाल या प्राचीन
ऋण-भार पाया जाय जिससे क्रेत्री को उपरोक्त सम्पत्ति से या इसके किसी
अंश से बेदखल होना पड़े ऐसी हालत में बिक्रेता मय वारिसान करने
वापस कुल जरसमण केवाला, मय खरचा, हरजाना वो सूद बनिर्ख बाजार
के है, हगे वो रहेगे। आज तक उपरोक्त सम्पत्ति पर बिक्रेता को जो कुछ
स्वत्व वो स्यामित्य प्राप्त या अथवा जो कुछ भविष्य में प्राप्त होता वो कुल
आज की तारीख से क्रेत्री को प्राप्त हो गया।

देवप्रत धर
1/8/2006.



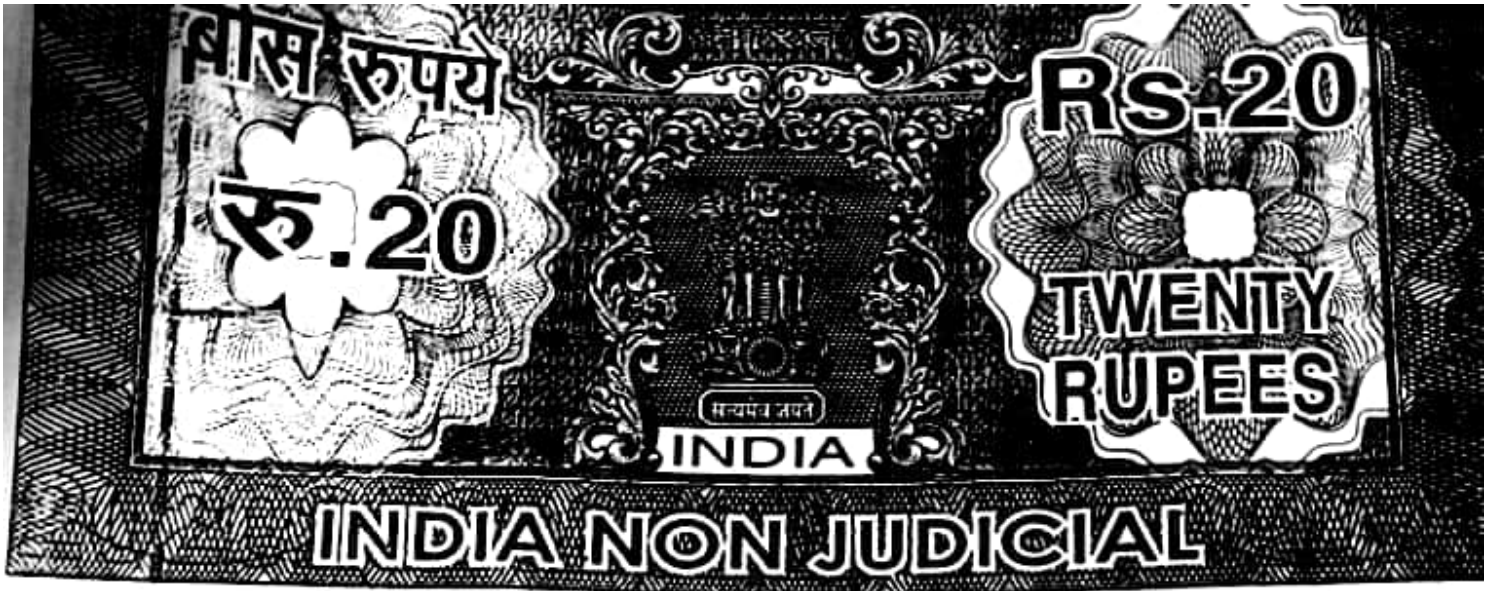
भाग खण्ड JHARKHAND

00AA 231827

(8)

अब चाहिए कि क्रेत्री महोदया उपरोक्त सम्पत्ति को लेकर
सरकारी सिरीस्ते में प्रचलित नाम कटवा कर खुद का नाम दर्ज करा लें
वो साल-ब-साल सिरीस्ते में खजाना देकर वसूली का रसीद अपने नाम
से प्राप्त किया करें वो वारिसानुक्रमेण उपरोक्त सम्पत्ति का भोग-दखल,
दान-बिक्रय वो हस्तांतर अपनी इच्छानुसार जो चाहे करें, इसमें बिक्रेता मय
वारिसान को किसी तरह की उजुर-आपत्ति नहीं होगी, न कभी कर सकेंगे
अगर कोई आपत्ति करे या करें तो वो कुल आपत्ति उचित न्यायालय में
अमान्य यो यातिल होगी ।

देवप्रत धर
1/8/2006.



झारखण्ड JHARKHAND

00AA 231828

(9)

बिक्रेता ने उपरोक्त सम्पत्ति का सम्पूर्ण तय मूल्य मो० 7,75,000/-

रूपये क्रेत्री से नगद एकमुस्त प्राप्त कर लिया है। कुछ भी बाकी नहीं रहा।

भविष्य में मूल्य नहीं पाने का दावा नाजायज वो वातिल होगी।

यह सब एकरार कर देकर यह बिक्रय-पत्र ब-हक श्रीमती रीता देवी

पिता स्व० राणा प्रताप सिंह के तहरीर वो तामिल कर दिया, जो कर्न-जरूरत

रुनप्रताप धर
1/8/2006.

भारतीय गैर न्यायिक

दस
रुपये
रु. 10



TEN
RUPEES
Rs. 10

INDIA NON JUDICIAL

झारखण्ड JHARKHAND

00AA 416927

(10)

के काम आवे। इति आज तारीख :- 01.08.2006 ई०।

कम्प्युटर द्वारा टंकित किया।

आगिल-कुम्भ देव

इस दस्तावेज की प्रथम प्रति एवं द्वितीयक प्रति एक-दूसरे की हु-ब-हू सच्ची प्रतिलिपि है।
उपरोक्त सम्पत्ति मुख्य सड़क से 100 फीट से अधिक दूरी पर अवस्थित है तथा आवासीय है।

कारिब दस्तावेज :- सुमेध्वर नाथ सिंह
साक्षि-कुम्भ देव, दस्तावेज का
मजबुत तैयार किया, इति आज तारीख :-
01.08.2006। सुमेध्वर नाथ सिंह
दिया। सुमेध्वर नाथ सिंह

11/8/06
प्रमाणित किया जाता है कि प्रत्येक
पक्ष जिनका धारा चित्र दस्तावेज
में लगा है के-बाँध-सामग्री की
उपस्थिति का निशान मेरे-द्वारा
लिखा गया है।

सुमेध्वर नाथ-सिंह
दस्तावेज नवीस
कुम्भ देव
11/8/06



Attorney
S.N. Singh
Deed Writer
Dumrao
11/8/06

रीता देवी



दस्तावेज पर
11/8/2006

N.
S.

PLAN OF LAND & BUILDING PURCHASED BY
RITA DEVI D/O, LATE RANA PRATAP SINGH AT-
CHUHABAGAN DUMKA. FROM. SHRI. DEOBRAT DHAR
S/O, SHRI. NAND GOPAL DHAR AT JAIL ROAD. DUMKA.
MOUZA- DUMKA TOWN NO. 7, PLOT NO- 674 (PART)
J. B. NO- 40/31 (OLD), 40/50/1 (NEW)
AREA:- 00B-03K-06D = 5.5 DESMIL.
SCALE-1"=32'0"

Re 8.0
PURCHASED LAND & BUILDING SHOWN IN RED. 